7

हिंदी रत्न

उत्तर–पुस्तिका

BLUE SKY
BOOKS INTERNATIONAL
2647, Roshan Pura, Nai Sarak,Delhi-110006
Phone : 98994 23454, 98995 63454
E-mail : blueskybooks@gmail.com

हिंदी रत्न-7

1 अंधकार की नहीं चलेगी

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. सुबह तक सूरज सोया हुआ है।
2. सूरज कोहरा से डर रहा है।
3. सुबह काम पर जाते वक्त सूरज डरा-डरा रहता है।
4. कोहरा सूरज को ढाँप लेता है।
5. कवि, कोविद, बच्चे और बूढ़े सूरज का सदा नाम लेते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. माँ सूरज से उठने के लिए बोल रही है।
2. सूरज कोहरे के चंगुल से बाहर निकलना चाहता है।
3. माँ ने सूरज को समझाया, कि वह कोहरे के चक्रव्यूह को काट कर बाहर आ जाएगा।
4. कोहरे के कारण सूरज कई दिनों से खोया-खोया है।
5. सूरज के आने से अंधियारा दूर भाग जाता है।

ख. 1. खोया-खोया 2. कोहरा 3. अँधेरा 4. झूठे

ग. 1. जब जाते **हो सुबह काम पर,**
डरे-डरे से तुम रहते हो।
क्या है **बोलो कष्ट तुम्हें प्रिय,**
साफ़-साफ़ क्यों न कहते हो?

2. निश्चिंत होकर **कूद जंग में,**
विजय सदा तेरी ही होगी।
तेरे आगे **अंधकार या,**
कोहरे की न कभी चलेगी।

भाषा ज्ञान

क. 1. दौड़ रहा है 2. लगा रही है 3. खा रही है
4. चल रही है 5. बना रहे हैं 6. जा रहे हैं
7. चल रहे हैं 8. टिमटिमा रहे हैं

ख. 1. माँ – माता माई 2. सूरज – रवि दिनकर
3. पुत्र – बेटा सुत 4. विजय – जीत फतह
5. बूढ़ा – वृद्ध बुज़ुर्ग 6. प्रिय – प्यारा मनभावन

ग. 1. जागना × सोना 2. विजय × हार
3. लेना × देना 4. अँधेरा × रोशनी
5. प्रेम × घृणा 6. दिन × रात
7. सच्चा × झूठा 8. खुशी × दु:खी

घ. 1. सुबह – सुबह सैर पर जाना चाहिए।
2. कष्ट – बुढ़ापे में सभी को कष्ट होता है।
3. अँधेरा – अँधेरे में ध्यान से चलो।
4. चक्रव्यूह – केवल अर्जुन ही चक्रव्यूह को भेद सकता था।
5. विजय – राजा कृष्णदेव की युद्ध में विजय हुई।
6. चंगुल – हम लोग डाकू के चंगुल से भाग निकले।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

मेंढकी का ब्याह

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. लोगों ने पत्रों में पढ़ा था कि कलकत्ता-मद्रास की तरफ़ ज़ोर की बारिश हुई है। लोगों ने सोचा कि आगे भी पानी बरसेगा।
2. ग्रामीणों ने देवता को प्रसन्न करने के लिए बहुत से काम किए - टोने-टोटके, धूप-दीप, होम-हवन, सत्यनारायण कथा, बकरों-मुरगों का बलिदान इत्यादि उपाय किए।
3. नावते ने बताया कि इंद्र देवता को मेंढक बहुत प्यारे है। वे जब रट लगाते हैं, तो इंद्र की जय-जयकार करते हैं।
4. अत्यधिक वर्षा से नाले चढ़े, नदियों में बाढ़ें आईं। पोखर और तालाब उमड़ उठे। कुछ तालाबों के बाँध टूट गए। खेतों में पानी भर गया। सड़कें कट गईं। गाँवों में पानी तंरगें लेने लगा। जनता और उसके ढोर डूबने-उतराने लगे। बहुत-से तो मर भी गए। संपत्ति की भारी हानि हो गई।
5. नावता लोगों के डर से नौ-दो ग्यारह हो गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. बरसते हुए पानी को रोकने के लिए मेंढक-मेंढकी का तलाक करवाया गया। तलाक की क्रिया के लिए मेंढ़क-मेंढ़की को छोड़ दिए गए।
2. मेंढ़को की 'टर्र-टर्र' का अर्थ नावते ने इंद्र भगवान की जय-जयकार बताई।
3. नावते ने ब्याह की विधि बताई, 'वैसे ही करो मेंढक-मेंढकी का ब्याह, जैसे अपने यहाँ लड़के-लड़की का होता है। सगाई, फल-दान, शगुन, तिलक, आतिशबाज़ी, भाँवर, ज्योनार सब धूम-धाम के साथ हो, तभी इंद्र देवता प्रसन्न होंगे।'
4. ग्रामीणों ने इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए बहुत से काम किए - टोने-टोटके, धूप-दीप, होम-हवन, सत्यनारायण कथा, बकरों-मुरगों का बलिदान इत्यादि उपाय किए।
5. गाँववालों ने बरसात होने की आशा में अनाज बो दिए।

ख. 1. मेंढकी का ब्याह और तलाक 2. इंद्र 3. वृंदावनलाल वर्मा

ग. 1. कष्टों 2. नावता 3. तिलक 4. मेंढक 5. जम, हरियाकर

भाषा ज्ञान

क. 1. की तरफ़ 2. के बिना 3. के अंदर
4. के मारे 5. का खेल

ख. 1. दीप – दीपक दीया 2. सूर्य – दिनकर सूरज
3. पत्र – ख़त संदेश 4. स्वामी – मालिक प्राणप्रिय
5. ब्याह – विवाह शादी 6. चतुर – तेज़ चालाक

ग. 1. कौतूहल – जिज्ञासा 2. नावता – नाव चलाने वाला
3. त्राहि-त्राहि – हा-हाकार 4. अन्यत्र – और कहीं
5 नुस्ख़ा – तरीका 6. सयानों – समझदारों
7. आशंका – शक करना 8. आश्वासन – भरोसा दिलाना

घ. 1. नाक काटना – बेइज़्ज़त करना
मेरे मित्र ने सबके सामने मेरी नाक काट दी।
2. कारोबार ठप्प होना – व्यापार में नुकसान होना
जौहरी रामवचन का कार-बार ठप्प हो गया है।
3. ज़ोख़िम लेना – मुसीबत लेना
हमने बैठे बिठाए ज़ोख़िम ले लिया।
4. नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना
पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

ङ. 1. भवदीय – भवदीया 2. रूपवान – रूपवती
3. नौकर – नौकरानी 4. फूफा – फूफी
5. साधु – साधवी 6. विधवा – विदुर
7. गायक – गायिका 8. सम्राट – सम्राज्ञी

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

अतिथिदेवो भव

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. लेखक को इस बात पर नाज़ था कि वह भी अमीरों की तरह अकेला खाना नहीं खाता है। उसके घर पर भी अमीरों की तरह कोई-न-कोई आगुंतक रहता है।
2. पुराणों में लेखक को अतिथि सत्कार की कहानियाँ मिलीं।
3. लेखक ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि वह एक कामकाज़ी आदमी है और वह बहुत व्यस्त रहता है। इसी वजह से वह अपने मेहमानों को समय नहीं दे पाता।

4. अन्न और जान के समन्वय का लेखक के अनुसार अर्थ है, कि आज के समय में अन्न बहुत मँहगे हो गए और आजकल के व्यस्त जीवन में जान की भी कोई कीमत नहीं है।
5. लेखक के अतिथि ने उन्हें याद किया, इसलिए लेखक उनका अनुगृहीत है।
6. लेखक अपने अतिथियों की वैयक्तिक विशेषताओं का वर्णन नहीं कराना चाहते, क्योंकि लेखक के अनुसार यदि उन्होंने ऐसा किया, तो एक और महाभारत हो जाएगा।

लिखित अभिव्यक्ति

1. लेखक अपना सौभाग्य मानते हैं, कि एक अतिथि उनके घर से जाते नहीं, कि दूसरे आ जाते हैं।
2. लेखक ने अतिथि के समांतर दूसरा शब्द गढ़ा है–असमय, क्योंकि अतिथि जब चाहे आ जाए और उनके जाने का भी कोई समय नहीं होता।
3. इस स्थिति का तात्पर्य व्यस्त समय से है।
4. पहले अतिथिदेव छठे–मास कृपा करते थे, क्योंकि यातायात के साधन इतने समुन्नत और सुलभ न थे, दुनिया बहुत बड़ी थी, खाद्यान्न की कमी न थी, दस बजे काम पर पहुँचने की बाध्यता नहीं थी, कृत्रिमता और प्रदर्शन जीवन के अनिवार्य अंग नहीं बने थे, एक कमरे के फ़्लैट की जगह बड़े–बड़े और खुले मकान हुआ करते थे। परंतु आज के समय में स्वयं के खाने के लाले पड़े होते हैं, तो अतिथियों के लिए भोजन जुटा पाना कठिन हो जाता है। अपने सोने के लिए जगह पर्याप्त मात्रा में नहीं होती, तो अतिथियों के लिए स्थान बनाना और भी कठिन हो जाता है। इस व्यस्त जीवन में अपने परिवार के लिए भी समय नहीं निकाला जा सकता, तो मेहमानों के लिए समय किस प्रकार दिया जाए, इसमें बहुत कठिनाई होती है।
5. लेखक ने अपने यहाँ अक्सर आने वाले एक अतिथि को नियमित अतिथि कहा है। नियमित अतिथि की कई ख़ूबियाँ हैं, एक–से–एक मज़ेदार, एक–से–एक पर लुत्फ़, खासकर भोजन के मामले में बहुत ही सावधान। उदाहरणार्थ, दाल में पानी का अंश उन्हें असह्य है, लेकिन उतनी गाढ़ी दाल तो गले के नीचे उतर ही नहीं सकती, इसलिए उसे ढीला करने के लिए कम–से–कम सौ ग्राम शुद्ध घी चाहिए और मेरे घर में घी का चलन वर्षों से बंद है।
6. जब लेखक से कोई यह कहता है कि वह बाज़ार से खरीद कर शुद्ध घी खाता है, तब वे पहुँचे हुए संत की तरह चुप रह जाते हैं।

ख. 1. राजा मोरध्वज 2. असमय 3. अतिथियों से

ग. 1. अतिथि 2. भाग–दौड़ 3. असमयदेव
4. आसमान 5. आत्मीय 6. पत्नी

घ. 1. इस पंक्ति द्वारा लेखक यह कहना चाहता है, कि जब उसने अपने अतिथि को देवता की उपाधि दे दी है, तो उसके लिए कुछ भी अकरणीय नहीं रहा है।

2. इस गद्यांश में लेखक यह कहना चाहता है, कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति व्यस्त है। कोई भी ऐसा नहीं है जिसके पास कोई कार्य न हो। यदि आज के समय में किसी को अपना बड़प्पन दिखाना होता है, तो अपने व्यस्त जीवन की ही व्याख्या करता है। वह कहता है कि वह व्यक्ति इतना अधिक व्यस्त है, कि उसके पास खाना खाने का समय भी नहीं है।

3. इस पंक्ति द्वारा कवि कहना चाहता है, कि आदमी ने अपनी सुगमता के लिए अपने आराम के लिए मशीन की खोज की, मगर अंत में वह उन मशीनों के जाल में स्वयं ही फंस गया है। मशीन के कारण वह स्वयं की पहचान खो चुका है।

4. इस पंक्ति द्वारा कवि यह कहना चाहता है, कि उसने अतिथि के लिए जो भी व्याख्या की, वह सभी स्वयं लेखक के ऊपर भी लागू होती हैं, क्योंकि वह भी किसी-न-किसी का अतिथि होता है।

भाषा ज्ञान

क.

1.	आगंतुक	2.	सौभाग्य	3.	अतिथिदेवो भव
4.	अक्षुण्ण	5.	अकस्मात्	6.	तात्पर्य

ख.

1.	अंकित	2.	धार्मिक	3.	दैनिक
4.	उर्मिल	5.	रोगी	6.	जातीय

ग.

	शब्द	**उपसर्ग**	**मूल शब्द**
1.	अतिथि	अ	तिथि
2.	सौभाग्य	सौ	भाग्य
3.	असमय	अ	समय
4.	विखंडित	वि	खंडित
5.	अविश्वास	अ	विश्वास
6.	अप्रमाण	अ	प्रमाण
7.	सुअवसर	सु	अवसर

घ.
1. काम पूरा हो जाने तक चैन से नहीं बैठूँगा।
2. पाठ ख़त्म कर लेने तक खाना नहीं खाऊँगा।
3. पिताजी के आ जाने तक बच्चे शोर मचाते रहेंगे।

ङ.

1.	पुत्र	–	बेटा	2.	आदमी	–	मनुष्य
3.	पत्नी	–	बीवी	4.	कृत्रिम	–	अप्राकृतिक
5.	आसमान	–	आकाश	6.	अतिथि	–	मेहमान
7.	अवश्य	–	ज़रूर	8.	वध	–	कत्ल
9.	विदा	–	अलविदा	10.	अकस्मात्	–	अचानक

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

बुख़ार तो बुख़ार है

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. अल्लाह ने इंसान को दो हाथ दिए हैं, काम करने के लिए। इसलिए इंसान को कभी खाली नहीं बैठना चाहिए। कुछ न कुछ करते रहना चाहिए।
2. मदरसा में गर्मी की छुट्टियों के कारण शेखचिल्ली घर में रहने के लिए मजबूर था।
3. शेखचिल्ली को काम उसकी माँ ने बताया।

4. शेखचिल्ली को बुख़ार होने पर माँ ने हकीम को बुलाया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. शेखचिल्ली की माँ ने शेखचिल्ली को आलू के खेत में मिट्टी चढ़ाने का काम बताया।
2. शेखचिल्ली खुरपी के इलाज के लिए हकीम जी के पास गया।
3. शेखचिल्ली ने अपनी खुरपी के बुख़ार को तालाब के पानी में डुबा कर उतारा।
4. रसीदा बेगम ने शेखचिल्ली को आलू के खेत में क्यारियाँ बनाने का काम दिया था। जब रसीदा बेगम ने देखा, कि शेखचिल्ली ने अपना काम बहुत अच्छे से किया है, तो वह बहुत खुश हुईं।
5. पड़ोस के घर में एक बूढ़ी औरत को तेज़ बुख़ार हो गया था।
6. शेखचिल्ली ने बताया, कि बूढ़ी औरत को दो-तीन बार तालाब में डुबकियाँ लगवा देने से बुख़ार उतर जाएगा।
7. बूढ़ी औरत पर पानी में डुबकी लगाने का यह प्रभाव पड़ा, कि उसकी हालत और खराब हो गई। उसकी सांसें उल्टी चलने लगीं।
8. हकीम साहब नाराज़ हुए, क्योंकि बूढ़ी काकी को पानी में डुबाया गया।

ख. 1. मदरसा 2. मौलाना साहब ने 3. शेखचिल्ली

ग. 1. इंसान 2. आलू 3. खुरपी
4. मिट्टी, खुरपी 5. हकीम साहब 6. इलाज

घ.

	किसने	**किससे**		**किससे**
1.	शेखचिल्ली ने	माँ से	2.	माँ ने शेखचिल्ली से
3.	माँ ने	शेखचिल्ली से	4.	हकीम साहब ने शेखचिल्ली से
5.	शेखचिल्ली ने	पड़ोसियों से	6.	हकीम साहब ने शेखचिल्ली ने

भाषा ज्ञान

क.
1. दहीबड़ा – दही का बड़ा
2. शोकाकुल – शोक का कुल
3. जलधारा – जल की धारा
4. मालगाड़ी – माल की गाड़ी
5. रोगमुक्त – रोग से मुक्त
6. राजसभा – राजा की सभा
7. भयभीत – भय से भरा
8. वनवास – वन में वास

ख.
1. उत्साहपूर्वक– उत्साह + पूर्वक
2. मनोयोग – मन: + योग
3. शरणार्थी – शरण + आर्थी
4. गतांक – गत + अंक
5. तापमान – ताप + मान
6. संयोगवश – संयोग + वश
7. देवालय – देव + आलय
8. परमात्मा – पर + आत्मा

ग.
1. सामान्य – असमान्य
2. कामयाब – नाकामयाब
3. खुश – दु:ख
4. उत्साह – अनुत्साह
5. शिक्षा – अशिक्षा
6. गर्मियाँ – सर्दियाँ
7. आशा – निराशा
8. बीमार – स्वस्थ
9. आराम – काम
10. उतरना – चढ़ना

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

5 कोशिश

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।
2. नन्हीं चींटी दाना लेकर दीवार पर चढ़ती है।
3. मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।
4. कोशिश करने वालों की मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।
5. मोती सागर में जाकर मिलते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. कोशिश करने वाला व्यक्ति कभी नहीं हारता।
2. चींटी को चढ़कर गिरना और गिरकर चढ़ना नहीं अखरता, क्योंकि उसे अपने मन में विश्वास है।
3. जब गहरे पानी में भी जाकर मोती नहीं मिलते, तो गोताखोर का विश्वास दोगुना हो जाता है।
4. कुछ किए बिना जय-जयकार नहीं होती।
5. असफ़लता की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए, ताकि कोई कमी रह गई हो, तो उसमें सुधार किया जा सके।

ख. 1. नौका 2. विश्वास 3. स्वीकार 4. जय-जयकार 5. हार

ग. 1. नौका 3. चढ़ती 3. मोती 4. विश्वास 5. चैन

भाषा ज्ञान

क.
1. कोशिश – क् + ओ + श् + इ + श् + अ
2. दीवार – द् + ई + व् + आ + र् + अ
3. मेहनत – म् + ए + ह् + अ + न् + अ + त् + अ
4. बेकार – ब् + ए + क् + आ + र् + अ
5. गोताखोर – ग् + ओ + त् + आ + ख् + ओ + र् + अ
6. सफ़लता – स् + अ + फ़ + अ + ल् + अ + त् + आ
7. अखरना – अ + ख् + अ + र् + अ + न् + आ

ख.
1. समुद्र / नदी में तैरने वाला – तैराक
2. नाव चलाने वाला – नाविक
3. काम से जी चुराने वाला – आलसी
4. विश्वास करने योग्य – विश्वसनीय
5. चित्र बनाने वाला – चित्रकार
6. कभी न मरने वाला – अमर

ग.
1. मत – राय नहीं 2. हार – आभूषण पराजय
3. पानी – जल सफ़ेदी 4. कर – हाथ किरण
5. वर्ण – रंग जाति 6. अंक – गोद संख्या

घ.
1. कोशिश – हमें हमेशा कोशिश करते रहना चाहिए।
2. विश्वास – तुम्हें मुझ पर विश्वास रखना होगा।

3. गोताख़ोर – गोताख़ोर समुद्र में जाकर मोती निकालते हैं।
4. असफ़लता – असफ़लता से घबराना नहीं चाहिए।
5. मेहनत – मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती।
6. स्वीकार – तुम्हें मेरी बात स्वीकार है या नहीं?
7. सिंधु – सिंधु नदी में बहुत-से मोती हैं।
8. संघर्ष – संघर्ष करने वालों को सफ़लता अवश्य मिलती है।
9. चुनौती – हमें हर चुनौती का मुकाबला करने का साहस रखना चाहिए।
10. जय-जयकार – हार मानने वालों की जय-जयकार नहीं होती।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

शिष्टाचार

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. शिष्टाचार ऐसा सराहनीय गुण है, जिसकी चारों तरफ़ प्रशंसा होती है।
2. शिष्टाचार मनुष्य में मानवीय गुणों का विकास करता है। यह मानसिक तनाव से मुक्ति और दैनिक-जीवन के कार्य-संपादन में कई कठिनाइयों को कम करता है। जीवन में सुख, शांति और सौंदर्य बिखेरता है। शिष्टाचार सर्वत्र आदर, सत्कार और सम्मान का पात्र बनाता है।
3. शिष्टाचार का अनिवार्य गुण विनम्रता है।
4. वाणी और व्यवहार की विनम्रता शिष्टाचार की पहली पहचान है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. जब हम छोटों, हम उम्र लोगों और बुज़ुर्गों के साथ यथायोग्य व्यवहार करना सीख जाते हैं, तब हम कह सकते हैं, कि हमें शिष्टाचार का ज्ञान है।
2. वेदव्यास जी ने चार विशेषताएँ बताई हैं - व्यर्थ बोलने की अपेक्षा मौन रहना, सत्य वचन बोलना, प्रिय वचन बोलना और धर्म की बातें बोलना वाणी की उत्तोत्तर श्रेष्ठता है, लेकिन प्रिय होने पर भी जो हितकर न हो, उसे नहीं कहना चाहिए। हितकर कहना ही अच्छा है, चाहे वह अत्यंत अप्रिय हो।
3. व्यवहार और आचरण सिद्धांत के मूल तत्व हैं। इन्हीं के कारण लोग मित्र और शत्रु होते रहते हैं। उदार रहना, दया दिखाना, समानता का निर्वाह, शिष्ट व्यवहार की कसौटी है।
4. बस स्टॉप हो, रेल में चढ़ने का अवसर हो या टिकट-घर की खिड़की, लाइन तोड़ना अशिष्टता है।
5. सामाजिक एवं संस्थागत नियमों का पालन करना शिष्टाचार का परिचायक है। मंदिर, मठ, गुरुद्वारे में जूते उतारकर जाना धर्म-स्थलों का अनुशासनात्मक शिष्टाचार है।

ख. 1. दोनों 2. वेदव्यास 3. कबीरदास

ग. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

घ. 1. शिष्टाचार द्वारा मनुष्य के अंदर मानव के गुणों का विकास होता है। शिष्टाचार मनुष्य को मानसिक तनाव से मुक्त रहने में सहायता करता है। हमारे दैनिक-जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करने की हिम्मत देता है।

2. जो व्यक्ति प्रत्येक तरह की ईर्ष्या से रहित रहता है तथा अंहकार और क्रोध से विमुख व्यक्ति ही शिष्ट कहलाता है।

भाषा ज्ञान

क.

1.	आरक्षित	–	रक्षित	2.	कठिन	–	सरल
3.	कठोर	–	कोमल	4.	निंदा	–	अनिंदा
5.	इहलोक	–	परलोक	6.	अप्रिय	–	प्रिय
7.	गुण	–	अवगुण	8.	भद्र	–	अभद्र
9.	आदर	–	निरादर	10.	शिष्ट	–	अशिष्ट

ख.

1.	कठिनाइयों	–	कठिनाई	यों
2.	विनम्रता	–	विनम्र	ता
3.	विशेषताएँ	–	विशेषता	एँ
4.	मानवीय	–	मानव	ईय
5.	सामाजिक	–	समाज	ईक
6.	पल्लवित	–	पल्लव	इत
7.	अनुशासित	–	अनुशासन	इत
8.	साधारणतया	–	साधारण	तया
9.	संस्थागत	–	संस्था	गत
10.	प्राकृतिक	–	प्राकृति	इक

ग.

1.	ताकि	–	परिश्रम से पढ़ाई करो, ताकि परीक्षा में सफ़ल हो सको।
2.	यानि	–	एक दिन पहले यानि परसों हम स्कूल नहीं गए थे।
3.	अथवा	–	रोहन अथवा मोहन इधर आओ।
4.	और	–	मैं और मेरा भाई एक ही विद्यालय में पढ़ते हैं।
5.	परंतु	–	तुम सुबह से कार्यालय में हो, परंतु तुमने कुछ काम नहीं किया।
6.	अर्थात	–	"हाटों में, दुकानों पर, हथाइयो में अर्थात् चारों ओर यही वार्त्तालाप होता था।"

घ.

1.	वार्त्ता + लाप	=	वार्त्तालाप	2.	वन + औषधि	=	वनौषधि
3.	गुरु + उपदेश	=	गुरुपदेश	4.	वि + आकुल	=	व्याकुल
5.	शिक्षा + अर्थी	=	शिक्षार्थी	6.	परम + ओज	=	परमौज

ङ.

1. (रिया) ने पक्षी को दाना डाला।
2. (तुलसी) एक महान कवि थे।
3. अच्छा (स्वास्थ्य) श्रेष्ठ धन है।
4. मेरे देश का नाम (भारत) है।
5. (लड़के), अब लड़कपन छोड़ दे।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

7 नकलची मत बनो पुष्प

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. पुष्प ने तितली से कहा, "तुम घूमती रहती हो आवारा बादल की तरह, उड़ती रहती हो स्वतंत्र उद्यान में। मैं भी उड़ना चाहता हूँ तुम्हारी तरह।"
2. स्वप्न की सहायता से उड़ा जा सकता है।
3. वृक्षों की जड़े भूमि में हैं, इसलिए वे उड़ नहीं सकते।
4. वृक्ष ने जब कहा कि वे उड़ नहीं सकते, तब उसे अपना अपमान लगा।
5. पुष्प को सपने में महसूस हो रहा था, कि वह उड़ रहा है।
6. यदि पुष्प उड़ने लगे, तो तितली और भँवरे किसके लिए उड़ेंगे!

लिखित अभिव्यक्ति

1. पुष्प के उड़ने की इच्छा का तितली ने उपाय निकाला और बताया कि "तुम भी उड़ो, अपने पत्तों को बनाओ पंख, फडफड़ाओं हवा में, करो प्रयत्न, प्रयत्न से सब कुछ हो सकता है।"
2. वृक्ष की जड़ें धरती के अंदर होती हैं। वे प्रतिदिन पृथ्वी से शक्ति पाकर बढ़ते हैं।
3. रात में स्वप्न में पुष्प को प्यास लगी और वह परेशान हो गया।
4. पुष्पों को अनेक प्रकार से उपयोग किया जाता है, जैसे – स्त्रियाँ उन्हें अपने केशों में गूँथती हैं, मालाएँ पिरोती हैं, भगवान के चरणों में भेंट चढ़ाती हैं। पुष्प ही हैं, जो तितलियों और भँवरों को भोजन प्रदान करते हैं।
5. वृक्ष ने पुष्प को शिक्षा दी – "अपना स्वरूप खो कर नकलची मत बनो। नकलची होना मज़ाक का कारण है। जो तुम हो, जहाँ हो, जैसे हो विकास करो। अपने गुणों को बढ़ाओ। तितली बन कर भी तुम पछताओगे।"
6. पुष्प को वृक्ष की बात सुनकर अच्छा लगा।

ख. 1. तपस्वी की तरह 2. आकाश 3. किसी ने नहीं

ग. 1. तितली 2. सुगंध 3. आना 4. आगोश
5. पुष्प 6. तपस्वी 7. उड़ना

घ. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗

ङ.

	किसने	किससे		किसने	किससे
1.	वृक्ष ने कहा	पुष्प से कहा	2.	वृक्ष ने कहा	पुष्प से कहा
3.	पुष्प ने कहा	वृक्ष से कहा	4.	तितली ने कहा	पुष्प से कहा
5.	पुष्प ने कहा	तितली से कहा			

भाषा ज्ञान

क.

1.	(हम) अवश्य जाएँगे।	पुरुषवाचक सर्वनाम
2.	(वह) क्यों चला आया ?	पुरुषवाचक सर्वनाम
3.	भारत का राष्ट्रपति (कौन) है ?	प्रश्नवाचक सर्वनाम
4.	(जैसी) करनी (वैसी) भरनी।	संबंधवाचक सर्वनाम

5. वह अपने आप चला जाएगा। निजवाचक सर्वनाम
6. हमने लेख लिखे। पुरुषवाचक सर्वनाम
7. कहीं कुछ हो रहा है। अनिश्चयवाचक सर्वनाम
8. यह वही आदमी है। निश्चयवाचक सर्वनाम

ख.

	संज्ञा शब्द	सर्वनाम शब्द	विशेषण शब्द
1.	पुष्प	तुम	आवारा
2.	तितली	अपने	आनंद
3.	वृक्ष	कुछ	तितली-सा
4.	भँवरा	वह	सुनसान
5.	संसार	उससे	कोमल

ग.
1. स्वरूप – स् + व् + अ + र् + ऊ + प् + अ
2. मदमस्त – म् + अ +द् + अ +म् + अ + स् + त् + अ
3. स्वप्न – स् + व् + अ + प् + न् + अ
4. पुष्प – प् + उ + ष + प् + अ
5. पत्ता – प् + अ + त् + त् + आ
6. उद्यान – उ + द् + अ् + य् + आ + न् + अ

घ.
1. प्रतिदिन – प्रति + दिन
2. नकलची – नकल + ची
3. स्वरूप – स्व + रूप
4. सुगंध – सु + गंध
5. अपमान – अप + मान

ङ.
1. आसमां – आकाश अंबर
2. स्वप्न – सपना ख़्वाब
3. भगवान – ईष्ट ईश्वर
4. सुगंध – खुशबू महक
5. मकरंद – शहद रस
6. पुरुष – मनुष्य मानस
7. वृक्ष – पेड़ तरु

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

8 कोणार्क का सूर्य मंदिर

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. उड़ीसा अपनी प्राकृतिक सुंदरता, राज्य की आध्यात्मिकता और धार्मिकता के लिए जाना जाता है।
2. कोणार्क के सूर्य मंदिर के बारे में रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था – कोणार्क में पत्थरों की भाषा मनुष्य की भाषा से श्रेष्ठतर है।
3. कोणार्क के सूर्य मंदिर की ख़ासियत यह है, कि यह मंदिर सूर्य देवता के रथ के रूप में बना हुआ है।

4. सूर्य देवता के साथ चार स्त्रियाँ सूर्य देवता की पत्नियों का रूप हैं।
5. सूर्य मंदिर के ध्वस्त होने का असली कारण बनावट का दोष यानि वास्तुदोष है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. कोणार्क का सूर्य मंदिर उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर शहर में स्थित है।
2. सूर्य मंदिर लाल बलुआ पत्थर और काले ग्रेनाइट पत्थर से बना हुआ है।
3. कोणार्क का सूर्य मंदिर 1238-1264 ईस्वी में गंगा वंश के राजा नृसिंहदेव द्वारा बनवाया गया था।
4. सूर्य देवता के रथ के सारथी अरुण हैं।
5. सूर्य मंदिर के निर्माण में कुल 1200 वास्तुकारों और कारीगरों ने काम किया था।
6. कोणार्क शब्द का अर्थ है कोना और अर्क का सूर्य। कोणार्क का मतलब है – कोने का सूर्य।
7. कोणार्क के सूर्य मंदिर की ख़ासियत यह है, कि यह सूर्य देवता के रथ के रूप में बना हुआ है। पूरे मंदिर स्थल को बारह जोड़ी पहिए वाले, सात घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ के रूप में बनाया गया है। इस मंदिर की संरचना पौराणिक कथा के आधार पर की गई थी, जिसमें सूर्य देवता के रथ को सात घोड़े खींचते थे। रथ के बारह पहिए साल के बारह महीनों के प्रतीक हैं। पहिए के बीच की आठ तीलियाँ दिन के आठ पहरों को दर्शाती हैं। इस पर खूबसूरत नक्काशी की गई है। कहीं देवी-देवताओं की आकृतियाँ हैं, कहीं शिकार और युद्ध के चित्र। सिर्फ़ मुख्य मंदिर के आधार की पट्टी पर ही लगभग दो हज़ार हाथियों की आकृतियाँ हैं।
8. एक पुरानी कथा के अनुसार भगवान कृष्ण के बीमार बेटे शांब ने, माघ महीने के एक खास दिन यहाँ नहाकर खुद को चंगा किया था। इसी कथा को सच मानते हुए साल के माघ महीने में यहाँ माघ सप्तमी को मेला लगता है।

ख. 1. केवल एक 2. भुवनेश्वर 3. 65 किमी.
4. 1984 में 5. सूर्य को 6. मनुष्य

ग. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓
5. ✓ 6. ✓ 7. ✗

घ. 1. इस वाक्य का यह अर्थ है, कि इस मंदिर के पत्थरों की कलाकारी देखते ही बनती है। यहाँ के पत्थरों की नक्काशी एक प्रकार की भाषा बोलते हैं, जो भाषा हम मनुष्यों से ज़्यादा अच्छी है।
2. इस पंक्ति का अर्थ यह है, कि एक पौराणिक कथा द्वारा श्री कृष्ण के बीमार बेटे, माघ के महीने में एक विशेष दिन नहाकर स्वस्थ हो गए थे।
3. भुवनेश्वर शहर में लगने वाले माघ मेले के साथ-साथ कोणार्क में होने वाला नृत्य समारोह भी लोकप्रिय है। यह समारोह पूर्णतया कला और संस्कृति का संगम है।

भाषा ज्ञान

क. 1. उआ 2. इक 3. इक 4. ता

ख. 1. गृह + देवता = गृहदेवता
2. उद्योग + पति = उद्योगपति
3. त्याग + पत्र = त्यागपत्र
4. देवी + तुल्य = देवीतुल्य
5. प्रवेश + इका = प्रवेशिका
6. मंत्री + गण = मंत्रीगण
7. युद्ध + क्षेत्र = युद्धक्षेत्र
8. स्वामी + त्व = स्वामित्व
9. लक्ष्मी + बाई = लक्ष्मीबाई
10. नर + इंद्र = नरेंद्र

ग. 1. स्त्रियों 2. निर्माण-कार्य 3. सम्राट
4. हवाईजहाज़ 5. तालाब 6. प्रगतिशील

घ. 1. श्यामा राधा से पत्र लिखवाती है। 2. माँ अपनी बेटी से भोजन पकवाती हैं।
3. राहुल अपने मित्र को दूध पिलवाता है। 4. राजा ने बड़ा भवन बनवाया था।
5. मरीज़ अपना इलाज डॉक्टर से करवाते हैं।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

घ. स्वयं करें।

9 चाहता हूँ

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. इस कविता में कवि अपना तन, मन और जीवन समर्पित कर रहा है।
2. कवि माँ से अपना सर्मपण स्वीकार करने को कह रहा है।
3. कवि माँ से हाथ में तलवार और ध्वज देने को कह रहा है।
4. कवि मोह का बंधन तोड़ना चाहता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. 'चाहता हूँ' कविता में कवि अपने देश की रक्षा करने की अभिलाषा व्यक्त कर रहा है।
2. कवि ने स्वयं को अकिंचन् कहा है, क्योंकि वह माँ के ऋण के बोझ से दबा हुआ है।
3. 'चाहता हूँ' कविता में कवि मोह के बंधन को तोड़ रहा है, क्योंकि वह अपनी धरती माँ की रक्षा करना चाहता है।
4. कवि युद्ध जीतकर ध्वज फहराएगा। इसलिए वह ध्वज माँग रहा है।
5. स्वयं करें।

ख. 1. दोनों 2. गरीब 3. रामावतार त्यागी

ग. 1. माँ ! तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन्,
किंतु इतना कर रहा फिर भी निवेदन,
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब,
स्वीकार कर लेना दया कर वह समर्पण

2. तोड़ता हूँ, मोह का बंधन, क्षमा दो,
गाँव मेरे, द्वार-घर-आँगन, क्षमा दो,
आज सीधे हाथ में तलवार दे दो,
और बाएँ हाथ में ध्वज को थमा दो,

घ. 1. कवि इन पंक्तियों द्वारा कहना चाहता है, कि वह देश की धरती को अपना मन, तन और जीवन समर्पित कर रहा है। यदि इनके अतिरिक्त उसके पास कुछ और भी है, तो उसे भी वह समर्पित करने को तैयार है।

2. कवि इन पंक्तियों द्वारा अपनी माँ से तलवार माँग रहा है। वह कह रहा है कि देर किए बिना उसकी कमर में ढाल बाँध दे, भाल पर चरण की थोड़ी धूल लगा दे और उसके शीश पर अपने आशीर्वाद की छाया भर दे। इस गद्यांश द्वारा कवि धरती माँ को अपने स्वप्न, प्रश्न और आयु का प्रत्येक क्षण समर्पित कर रहा है। इनके अतिरिक्त भी यदि कवि के पास कुछ है, तो वह उसे भी समर्पित कर रहा है।

भाषा ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. 1. समर्पित = स् + अ + म् + अ + र् + प् + इ + त् + अ
2. धरती = ध् + अ + र् + अ + त् + ई
3. बंधन = ब् + अ + न् + ध + अ + न् + अ
4. आशीष = आ + श् + ई + ष् + अ
5. स्वप्न = स् + अ + व् + प + अ + न् + अ

ग.

1.	धरती	–	भू	धरा	भूमि
2.	माँ	–	जननी	मातृ	माता
3.	अकिंचन्	–	रंक	ग़रीब	निर्धन
4.	भाल	–	भाला	भालू	बरछा
5.	आशीष	–	आर्शीवाद	सुशोभित	मंगल कामना
6.	सुमन	–	पुष्प	फूल	कली
7.	चमन	–	फुलवारी	क्यारी	गुलशन

घ.
1. मल – गंदगी यह बीमारी मल और गंदे पानी से बढ़ती है।
   मल – कद वह कद-काठी से लंबा चौड़ा है।
2. तन – शरीर मेरा तन, मन, धन तुम्हें समर्पित।
   तना – तरु इस वृक्ष का तना बहुत मज़बूत है।
3. पर – पंख इस चिड़िया के पर निकल आए हैं।
   पर – परंतु मुझे गाना नहीं आता, पर मैं कोशिश करूँगी।
4. कर – हाथ हमारे स्कूल का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री के कर कमलों से हुआ।
   कर – टैक्स इस घर में रहने के लिए वह कर चुकाने को तैयार है।

ङ.
1. स्वप्न – सपना मैं अपने स्वप्न में धरती माँ से बातें करता हूँ।
2. आशीष – आर्शीवाद मेरी माँ का आशीष सदैव मेरे साथ है।
3. समर्पण – अर्पित करना राजा ने अपना सारा धन प्रभु के समक्ष समर्पित कर दिया।
4. निवेदन – प्रार्थना मेरा आपसे निवेदन है, कि आप मुझे क्षमा कर दें।
5. ऋण – कर्ज़ मैं आपका ऋण कभी नहीं चुका पाऊँगा।

च. 1. जातिवाचक संज्ञा 2. भाववाचक संज्ञा
3. व्यक्तिवाचक संज्ञा 4. भाववाचक संज्ञा

छ. 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग
4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

10 अद्‌भुत प्रतिभा

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. आयशा को पढ़ाई-लिखाई के साथ चित्रकारी का बहुत शौक था।
2. सीमा एक सरकारी संस्थान में काम करती थी।
3. सीमा बाल-कहानियाँ अधिक लिखती थी।
4. आयशा को सीमा ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग दिलाया।
5. आयशा अख़बार में अपनी फोटो देखकर दंग रह गई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. आयशा एक होनहार बच्ची थी क्योंकि उसे न केवल पढ़ाई-लिखाई में रुचि थी, बल्कि उसे चित्रकारी करना भी बहुत पसंद था।
2. सीमा के सहकर्मी और संबंधी सीमा के पिता के साथ न रहने के कारण आयशा पर बुरा प्रभाव पड़ने की बात कहते थे, क्योंकि सीमा का उसके पति के साथ तलाक हो चुका था।
3. अपनी माँ की फोटो समाचार पत्रों में देखकर आयशा कहती थी, 'मम्मी मैं भी एक दिन आपके जैसी बनूँगी। देखना फिर मेरी फोटो भी पत्रिकाओं में छपेगी।'
4. कला एव संस्कृति नामक संस्था समय-समय पर लोगों की प्रतिभा उभारने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रहती थी।
5. आयशा ने सभी प्रकार के प्रदूषणों को संकेतों से बनाकर उनमें इतनी कुशलता से रंग भरे थे, कि कोई भी यह कह उठता, कि यह चित्र किसी कुशल चित्रकार ने बनाया है।
6. आयशा अपनी फोटो अपने सभी दोस्तों एवं टीचरों को दिखाना चाहती थी।
7. आयशा ने अपने प्रथम आने को श्रेय अपनी माँ को दिया, क्योंकि उसके स्कूल में अभी भी ऐसी लड़कियाँ हैं, जिनके माता-पिता उन्हें आगे बढ़ने से रोकते हैं।

ख. 1. सातवीं 2. कहानी 3. दोनों

ग. 1. ड्रांइग शीट, ढेरों रंग 2. आयशा 3. चित्र
4. चित्रकला 5. प्रदूषण पर रोक

घ. 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓

भाषा ज्ञान

क.
1. मेधावी – आलसी
2. प्रकाशित – अप्रकाशित
3. आनंद – वेदना
4. कुशाग्रता – अकुशाग्रता
5. दंग – अविक्षुब्ध
6. सफ़लता – असफ़लता
7. पुरस्कार – तिरस्कार
8. प्रतिष्ठित – अप्रतिष्ठित

ख.
1. चीतरकारी – चित्रकारी
2. गिआरह – ग्यारह
3. गरव – गर्व
4. व्यैक्तित्व – व्यक्तित्व
5. पृकाशीत – प्रकाशित
6. प्रतियोगिता – प्रतियोगिता
7. माधयम – माध्यम
8. सन्सकारीति – संस्कृति

ग. 1. आयशा बहुत होनहार लड़की है।
2. आयशा प्रतियोगिता जीतेगी।
3. सीमा आयशा को आगे बढ़ाने का हर संभव प्रयास करेगी।
4. आयशा प्रतियोगिता जीतकर बहुत खुश थी।
5. आयशा अपना प्रमाणपत्र अपने मित्रों को दिखा रही है।

घ. 1. आयशा कहती थी, "मम्मी मैं भी एक दिन आपके जैसी बनूँगी।"
2. चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एक प्रसिद्ध संस्था 'कला एवं संस्कृति' द्वारा किया जा रहा था।
3. सीमा ने कहा, "हाँ बेटा ज़रूर दिखाना।"
4. "ये सब शौक पूरे करके क्या करोगी?"
5. उसने चित्र को ध्यान से देखा।
6. धीरे-धीरे आयशा पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने का आनंद उठाने लगी।
7. चित्र का विषय 'प्रदूषण पर रोक' रखा गया था

ङ. 1. क्+आ+र्+य्+अ+र्+अ+त्+अ
2. भ्+अ+व्+इ+ष्+य्+अ+त्
3. आ+य्+ओ+ज्+अ+न्+अ
4. प्+र्+अ+त्+इ+भ्+आ

च. 1. उसका भाई शिक्षक है।
2. वह मालकिन अत्यंत कंजूस है।
3. चुहिया और शेरनी में मित्रता हो गई।
4. यह मोरनी अत्यंत सुंदर है।
5. मेरी पुत्री बहुत होनहार है।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।
ख. स्वयं करें।
ग. स्वयं करें।
घ. स्वयं करें।

11 स्वर्ग की खोज

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. ब्रह्मांड की सबसे उत्तम और मनमोहक जगह स्वर्ग है।
2. महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम को अपना वचन निभाने को कहते हैं।
3. तेनालीराम ने महाराज को स्वर्ग का पता बताने का वचन दिया।
4. हमारी पृथ्वी पर फल, फूल, पेड़, पौधे, अनंत प्रकार के पशु, पक्षी और अद्भुत वातावरण और अलौकिक सौंदर्य हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. महाराज कृष्णदेव को अचानक स्वर्ग देखने की इच्छा उत्पन्न होती है, क्योंकि उनके अनुसार ब्रह्मांड की सबसे उत्तम जगह स्वर्ग ही है।

2. तेनालीराम, महाराज और मंत्रीगण को एक सुंदर स्थान पर ले जाते हैं, जहाँ खूब हरियाली, चहचहाते पक्षी और वातावरण को शुद्ध करने वाले पेड़-पौधे होते हैं।
3. दरबारी मन ही मन इस बात से खुश होते हैं, कि तेनालीराम स्वर्ग नहीं खोज पाएगा और दंड भुगतेगा।
4. तेनालीराम ने दस हज़ार सिक्कों से उत्तम पौधे और उच्च कोटि के बीज खरीदे।
5. महाराज तेनालीराम से प्रसन्न होकर उसे ढेरों इनाम देते हैं।

ख. 1. स्वर्ग 2. तेनालीराम ने 3. दोनों 4. दोनों खरीदे

ग. 1. महाराज कृष्णदेव राय ने तेनालीराम को सोने के सिक्के और दो मास का समय दिया।
2. महाराज कृष्णदेव राय ने तेनालीराम के आगे शर्त रखी, कि अगर तेनालीराम स्वर्ग का पता न बतला सके, तो उन्हें कड़ा दंड दिया जाएगा।
3. दरबारी मन ही मन इस बात से खुश होते हैं, कि तेनालीराम स्वर्ग नहीं खोज पाएगा और दंड भुगतेगा।

घ. 1. महाराज कृष्णदेव राय ने सभी मंत्रियों से
2. तेनालीराम ने महाराज कृष्णदेव राय से
3. महाराज कृष्णदेव राय ने तेनालीराम से

भाषा ज्ञान

क. 1. संसार – ब्रह्मांड जगत 2. अवधि – तारीख़ समय
3. फूल – सुमन पुष्प 4. पक्षी – खग चिड़िया
5. प्रशंसा – तारीफ़ बड़ाई 6. पेड़ – वृक्ष तरु

ख. 1. थकावट – वट 2. फैलाव – आव
3. सुशोभित – इत 4. दिखावा – वा
5. सुंदरता – ता 6. अलौकिक – इक

ग. 1. ई – प्रतियोगी ग़रीबी 2. आ – सूखा भूला
3. नी – वंदनी होनी 4. वान – विद्वान दयावान
5. ईला – रसीला चमकीला 6. ता – मूर्खता सुंदरता

घ. 1. दिन-रात – तुम्हे दिन-रात मेहनत करनी चाहिए।
2. पढ़ाई-लिखाई – पढ़ाई-लिखाई से लोग प्रतिष्ठित व्यक्ति बनते हैं।
3. लड़ाई-झगड़ा – किसी को भी लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए।
4. खाना-पीना – "खाना-पीना हो गया हो, तो कुछ काम कर लो।"
5. सुख-दुःख – "हम सुख-दुःख में साथ रहेगें।"
6. आना-जाना – जीवन में दुःखों का आना-जाना तो लगा ही रहता है।

ङ. 1. बरगद के वृक्षों के पत्ते बहुत बड़े होते हैं।
2. विद्यार्थियों ने खेलों का भरपूर लाभ उठाया।
3. बागों में पौधे लगे हुए हैं।
4. खिलौने देखकर बच्चे कहकहे लगाने लगे।
5. हमनें अपनी पुस्तकें मेज़ पर रख दी।

रचनात्मक ज्ञान

स्वयं करें।

12 पिता का पत्र

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. गाँधी जी ने पत्र लिखने के लिए मिस्टर रीच का, मिस्टर पोलक का और अपने पुत्र का नाम सोचा।
2. 'बा' गाँधी जी की पत्नी थीं। बा के स्वास्थ्य के बारे में गाँधी जी को डिप्टी गवर्नर ने बताया।
3. गाँधी जी के पुत्र का अपनी शिक्षा के प्रति असंतोष का कारण उनकी ज़िम्मेदारी थी।
4. गाँधी जी के अनुसार सच्ची शिक्षा चरित्र-निर्माण और कर्त्तव्य का बोध है।
5. गाँधी जी ग़रीबी में जीवन बिताना चाहते थे, क्योंकि उनके अनुसार ग़रीबी में ही सुख है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. महात्मा गाँधी जी ने पत्र अपने पुत्र को लिखा।
2. गाँधी जी ने जेल में पढ़ा था, कि केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा चरित्र-निर्माण और कर्त्तव्य का बोध है।
3. गाँधी जी के अनुसार यदि उनके पुत्र अपने परिवार को अच्छी तरह सँभाल रहे हैं, तो उनकी आधी शिक्षा तो वहीं से प्राप्त हो जाती है।
4. बारह वर्ष की आयु के बाद बच्चों में ज़िम्मेदारी और कर्त्तव्य का भाव आने लगता है। उन्हें अपने आचार और विचार में सत्य और अंहिसा के प्रयोग की चेष्टा करनी चाहिए और यह वे भार समझ कर नहीं करें, बल्कि एक आंनद का अनुभव करते हुए करें। यह आंनद कृत्रिम भी नहीं होना चाहिए। यह सरल और स्वाभाविक होना चाहिए।
5. गाँधी जी ग़रीबी में रहना अच्छा मानते हैं क्योंकि उनके अनुसार ग़रीबी में ही सुख है।

ख. 1. एक 2. 12 3. योग्य किसान 4. महात्मा गाँधी

ग. 1. मेरे 2. शांति 3. तीन 4. औज़ारों
5. गणित, संस्कृत 6. सूर्योदय

घ. 1. इन पंक्तियों से गाँधी जी का तात्पर्य है, कि खेल-कूद और मनोरंजन जैसी वस्तुएँ केवल बालपन तक ही अच्छी लगती है। बारह वर्ष की आयु से बच्चे युवा जीवन की ओर बढ़ने लगते हैं। इस समय तक उन्हें अपनी ज़िम्मेदारियों का आभास हो जाना चाहिए। उन्हें अपने विचार और व्यवहार में सत्य और अहिंसा जैसे गुणों को सम्मिलित कर लेना चाहिए।

2. इन पंक्तियों द्वारा गाँधी जी यह कहना चाहते हैं, कि जीवन में केवल तीन बातों का महत्त्व है। यदि ये तीन बाते हमारे व्यक्तित्व में होंगी, तो हम संसार के किसी भी कोने में रहकर अपने जीवन का निर्वाह अच्छे से कर सकते हैं। ये तीन बातें हैं -अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना।

भाषा ज्ञान

क.

1.	पयत्नपूवर्क	प्रयत्नपूर्वक	2.	गर्वनर	गवर्नर
3.	र्कतब्य	कर्त्तव्य	4.	भबीस्य	भविष्य
5.	मुल्यबान	मूल्यवान	6.	सूब्यबस्थित	सुव्यवस्थित

7. स्वाभावीकि स्वाभाविक
8. सन्गरह संग्रह
9. सुयोर्दय सूर्योदय
10. सुवासथ्य स्वास्थ्य

ख. 1. भविष्यत् काल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल
4. वर्तमान काल 5. वर्तमान काल 6. भूतकाल

ग. 2. पौधों में पुष्प खिल रहे हैं।
3. वे सभी बहुत खुशियाँ मना रहे हैं।
4. पौधे अंकुरित हो रहे हैं।
5. वे साहित्यिक व्यक्ति हैं।
6. यह वचन मुँह से कहा गया है।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

पहली बूंद

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. पावस ऋतु में वर्षा होती है।
2. कवि ने बूंद को अमृत-सा बताया है, क्योंकि यह बहुत पवित्र होती है।
3. कवि ने आकाश की तुलना सागर से की है।
4. वर्षा ऋतु में बादल बिजलियों से नगाड़े बजाते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. जब वर्षा की पहली बूंद धरती पर गिरती है, तब अंकुर फूट पड़ता है।
2. कविता में हरी दूबों की तुलना रोओं की पंक्ति से की गई है।
3. सागर आसमान में बादल के रूप में उड़ता है।
4. कवि ने अंबर की तुलना नीली आँखों से ओर जलधर की तुलना काली पुतली से की है।
5. बूढ़ी धरती की प्यास बुझाने पर वह फिर से हरी-भरी बनने को ललचा रही है।

ख. 1. पावस ऋतु 2. बारिश 3. गोपालकृष्ण कौल

ग. 1. वह पावस का प्रथम दिवस जब,
पहली बूंद धरा पर आई।
अंकुर फूट पड़ा धरती से,
नव-जीवन की ले अँगड़ाई।

2. आसमान में उड़ता सागर,
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।
बजा नगाड़े जगा रहे हैं,
बादल धरती की तरुणाई।
पहली बूंद धरा पर आई।

घ. 1. इन पंक्तियों का अर्थ है, कि धरती के सूखे होठों पर अमृत समान वर्षा की पहली बूंद आकर गिरती है। धरती की रोओं की पंक्ति हरी-दूब खिल उठती है, जब पहली बूंद धरती पर गिरती है।

2. नीले आँखों समान आसमान और काली पुतली के समान बादल है। करुणा में पिघला हुआ आँसुओं को बहाकर, बारिश धरती की प्यास बुझाता है।

भाषा ज्ञान

क.

	समस्तपद		विग्रह
1.	शस्य-श्यामला	–	शस्य का श्यामला
2.	पुलकी-मुस्काई	–	पुलकी सी मुस्काई
3.	हरे-सूखे	–	हरे और सूखे
4.	नया-पुराना	–	नया और पुराना
5.	रात-दिन	–	रात और दिन

ख.

1.	नव	–	पुरातन	2.	अमृत	–	विष
3.	जगा	–	सोया	4.	तरुण	–	वृद्ध
5.	प्रथम	–	अंत	6.	धरा	–	अंबर

ग.

1.	करुण	–	करुणामय	2.	बुझना	–	बुझाना
3.	मुस्कुराना	–	मुस्कुराहट	4.	स्वर्ण	–	स्वर्णिक
5.	तरुण	–	तरुणा				

घ.

			विशेषण	विशेष्य
1.	नीले नयन	–	नीले	नयन
2.	बूढ़ी धरती	–	बूढ़ी	धरती
3.	नवजीवन	–	नव	जीवन
4.	काली पुतली	–	काली	पुतली
5.	हरी दूब	–	हरी	दूब
6.	प्रथम दिवस	–	प्रथम	दिवस
7.	सूखे अधर	–	सूखे	अधर
8.	पहली बूंद	–	पहली	बूंद

ङ.

1.	आसमान	–	अंबर	आकाश		गगन
2.	सागर	–	पयोधि	उदधि		नदीश
3.	बादल	–	मेघ	घन		जलधर
4.	बिजली	–	इंद्रवज्र	चपला		ताडित
5.	दिवस	–	दिन	वार		वासर
6.	धरा	–	धरती	भू		भूमि
7.	अमृत	–	सुधा	अमिय		सोम
8.	नयन	–	आँख	नेत्र		चक्षु

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

14 ओणम्

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. दिवाली, ईद, क्रिसमस, होली और दशहरा।
2. ओणम् केरल में मनाने वाला धार्मिक त्योहार है। ओणम् के दिनों में केरल में संगीत, नृत्य और क्रीड़ा का आनंदपूर्वक वातावरण चारों ओर छाया रहता है।
3. ओणम् का त्योहार केरलवासियों के लिए सचमुच प्रसन्नता का पर्व है। बालक-वृद्ध, स्त्री-पुरुष सभी बड़ी उत्सुकता से ओणम् की प्रतीक्षा करते हैं। ओणम् के दिनों में केरल में संगीत नृत्य और क्रीड़ा का आनंदपूर्ण वातावरण चारों ओर छाया रहता है।
4. ओणम् का त्योहार राजा बलि के स्वागत के लिए मनाते हैं।
5. राजा बलि बहुत ही प्रिय राजा थे। वे अपनी प्रजा को पिता की तरह प्यार करते थे। वे अपनी प्रजा के लिए भगवान थे।
6. ओणम् एक धार्मिक त्योहार है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. भारत में अनेक तरह के त्योहार मनाए जाते हैं, जैसे – दिवाली, होली, ईद आदि।
2. जिन त्योहारों को पूरा राष्ट्र एक साथ मिलकर मनाता है, उन्हें राष्ट्रीय त्योहार कहते हैं।
3. राजा महाबलि अपनी प्रजा को श्रावण मास के श्रवण नक्षत्र में देखने आते हैं।
4. रंगोली घर के आँगन में बनाई जाती है। यह विभिन्न रंगों और फूलों से बनायी जाती है।
5. केरल का लोकप्रिय नृत्य कथकली है। इस अवसर पर नृत्यांगनाएँ सामान्यतः सुनहरी किनारे वाली दुग्ध-धवल साड़ियाँ पहनती हैं।
6. केरल में ओणम् के अवसर पर ही हाथियों का जुलूस निकाला जाता है।
7. ओणम् का मुख्य आकर्षण है– विश्वविख्यात नौका-दौड़। सभी वर्ग के लोग इस जल-क्रीड़ा में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। दौड़ में भाग लेने वाली नौकाएँ विष्णुशैय्या जैसी आकार की होती हैं। नौका का एक भाग शेषनाग के फन जैसा और दूसरा सर्प की पूँछ के समान होता है। नावों की लंबाई लगभग पंद्रह मीटर होती है। उनमें लगभग पचास व्यक्तियों के बैठने का स्थान होता है, किंतु दौड़ के अवसर पर लगभग तीस व्यक्ति इसे खेते हैं। प्रत्येक नाव विभिन्न रंगों और आकारों की पताकाओं से सुसज्जित की जाती है। दौड़ के समय नाविकों में उत्साह तथा स्फूर्ति की लहर दौड़ जाती है। नावों की दौड़ का यह दृश्य बहुत ही आकर्षक और रोमांचकारी होता है। किनारों पर खड़े असंख्य दर्शक इस दौड़ का भरपूर आनंद लेते हैं और प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रतियोगियों का उत्साह बढ़ाने के लिए उछलते हैं और ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हैं।

ख. 1. दोनों 2. केरल 3. विष्णु

ग. 1. केरल 2. तीसरा 3. महाबलि 4. हाथियों
5. नाविकों 6. केरल

भाषा ज्ञान

क.

1.	महाबलि	–	महान है जो बलि	कर्मधारय समास
2.	परंपरागत	–	परंपरा के अनुसार	अव्ययीभाव समास
3.	विधिवत्	–	विधि के अनुसार	अव्ययीभाव समास
4.	विश्वविख्यात	–	विश्व में है जो विख्यात	कर्मधारय समास
5.	सहभागी	–	साथ में भाग लेने वाला	
6.	नवग्रह	–	नौ ग्रहों का समूह	द्विगु समास
7.	त्रिभुज	–	तीन है जिसकी भुजाएँ	द्विगु समास

ख.

1.	वर्ष में होने वाला	वार्षिक
2.	हित चाहने वाला	हितैषी
3.	प्रजा से स्नेह रखने वाला	प्रजापति
4.	वश में आया हुआ	अधिकृत
5.	सदैव रहने वाला	अमर
6.	नष्ट होने वाला	विनाशी
7.	दूध के समान सफ़ेद	दुग्ध
8.	एक प्रांत विशेष से संबंधित	प्रांतीय
9.	एक राष्ट्र से संबंधित	राष्ट्रीय

ग.

		मूल शब्द	**प्रत्यय**			**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1.	विसर्जित	विसर्जन	इत	2.	नाविकों	नाव	इक
3.	उत्सुकता	उत्सुक	ता	4.	प्रसन्नता	प्रसन्न	ता
5.	परंपरागत	परंपरा	गत				

घ.

	विशेषण शब्द		**भाववाचक संज्ञा शब्द**
1.	मधुर	–	मधुरता
2.	लघु	–	लघुता
3.	आवश्यक	–	आवश्यकता
4.	अधिक	–	अधिकता
5.	दानशील	–	दानशीलता
6.	दयालु	–	दयालुता

ङ.

1.	सम्मुख	–	हमें बड़ों के सम्मुख अपना शीश झुकाना चाहिए।
2.	दहलीज़	–	तुम इस दहलीज़ को पार नहीं कर सकते।
3.	क्रीड़ा	–	नाव चलाना भी एक क्रीड़ा है।
4.	धार्मिक	–	धार्मिक ज्ञान होना हम सभी के लिए आवश्यक है।
5.	विश्वविख्यात	–	भारतवर्ष एक विश्वविख्यात देश है।
6.	पौराणिक	–	पौराणिक कथाओं में राजा हरीशचंद्र का नाम अवश्य लिया जाता है।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

15 परीक्षा

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. अरब देश का सुल्तान बहुत चतुर, बुद्धिमान और न्यायप्रिय था।
2. जब सुल्तान ने अपने काज़ी की ख्याति सुनी, तो उन्होंने स्वयं उसकी परीक्षा लेने का निश्चय किया।
3. काज़ी की परीक्षा लेने के लिए सुल्तान ने साधारण आदमी की तरह कपड़े पहने।

लिखित अभिव्यक्ति

1. सुल्तान को रास्ते में एक लँगड़ा व्यक्ति मिला।
2. सुल्तान ने लँगड़े आदमी को घोड़े से उतरने के लिए कहा। जब लँगडे ने घोड़े से उतरने को मना कर दिया, तब दोनों में झगड़ा शुरू हो गया।
3. धोबी का कहना था, कि तेल लेने के बाद उसने तेली को पैसे दिए, परंतु तेली का कहना था कि उसे पैसे नहीं मिले, इसी बात पर दोनों में झगड़ा शुरू हुआ था।
4. काज़ी ने तेली और धोबी का न्याय किया। काज़ी ने तेली को दस कोड़े लगवाने का हुक्म सुनाया।
5. काज़ी ने घोड़ा सुल्तान को दिया, क्योंकि उन्होंने पता लगा लिया था, कि घोड़ा सुल्तान का ही था।

ख. 1. बेईमान 2. शासक 3. काज़ी
4. भविष्यत् काल 5. नाई

ग.

1.	मदद	–	सहायता	2.	मेहरबानी	–	एहसान
3.	हुक्म	–	आदेश	4.	सलाम	–	नमस्ते
5.	खुद	–	स्वयं	6.	सिर्फ़	–	केवल
7.	फ़ैसला	–	न्याय	8.	निशान	–	चिह्न

भाषा ज्ञान

क.

1.	घोड़ा	अश्व	रविपुत्र
2.	दूध	दुग्ध	क्षीर
3.	चतुर	चालाक	तेज़
4.	पानी	जल	नीर

ख.

1.	मगर	मगरमच्छ	2.	नियत	निश्चय
	मगर	किंतु		नीयत	इरादा
3.	निर्णय	फ़ैसला करना	4.	समान	एक जैसा
	न्याय	इंसाफ़ करना		सामान	वस्तु
				सम्मान	आदर करना

ग. 1. मैंने 2. तुमसे 3. कौन 4. उनसे 5. मुझे 6. आप

घ. 1. परिचय – मेरा परिचय मोहन है।
2. आभारी – मैं आपका हमेशा आभारी रहूँगा।
3. निश्चय – मैंने परीक्षा देने का निश्चय कर लिया है।
4. प्रभावित – सुल्तान काज़ी से बहुत प्रभावित हुए।
5. अवश्य – हम अवश्य मिलेंगे।

ङ. 1. जो कपड़े बुनने का काम करे – बुनकर
2. जो कपड़े धोने का काम करे – धोबी
3. जो लोहे की चीज़ें बनाने का काम करे – लुहार
4. जो मिट्टी के बरतन बनाने का काम करे – कुम्हार
5. जो लकड़ी की चीज़ें बनाने का काम करे – लकड़हारा
6. जो सेना में काम करे – सैनिक

च. 1. मेरी 2. मैंने, आप 3. आप, मुझे, मैं, आपका 4. तुम्हारा, मेरा

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

16 झाँसी की रानी

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. कानपुर के नाना साहब रानी लक्ष्मीबाई को 'छबीली' कहकर पुकारते थे।
2. रानी लक्ष्मीबाई के तलवारों की वार को देखकर मराठे प्रसन्न होते थे।
3. झाँसी में आने के कुछ समय बाद ही रानी लक्ष्मीबाई विधवा हो गई थी।
4. अंग्रेज़ी सैनिकों ने दिल्ली, लखनऊ, बिठुर, नागपुर, उदयपुर, तंजोर, सतारा, कर्नाटक, सिंध, पंजाब और ब्रहम पर अपना आधिपत्य जमा लिया था।
5. लैफ़्टिनेंट वॉकर, जनरल स्मिथ, ह्यूरोज़।
6. पाठ में 'फिरंगी' शब्द अंग्रेज़ों के लिए प्रयुक्त हुआ है।
7. ब्रिटिश राज्य अपना आधिपत्य झाँसी पर जमाने के लिए झाँसी आया था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान ने भारत को बूढ़ा कहा है, क्योंकि भारत पूर्णतया: अंग्रेज़ों के शासन में था। रानी लक्ष्मीबाई के जन्म होने के बाद भारत में जवानी आई थी।
2. कविता के अनुसार रानी लक्ष्मीबाई की प्रिय सहेली बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी थी।
3. रानी लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा राव से हुआ था।
4. डलहौजी झाँसी के राजा राव की मृत्यु पर प्रसन्न हुआ, क्योंकि बिना राजा के राज्य का आधिपत्य अंग्रेज़ों को मिल जाता। उसने झाँसी पर अपना कब्ज़ा जमाने की योजना बनाई।

5. युद्ध-स्थल पर एक बहुत बड़ा नाला आया था, जिसे पार करने का मनोबल रानी लक्ष्मीबाई के नए घोड़े में नहीं था, जिस कारण वह अंग्रेज़ी सैनिकों से घिर गई थीं।
6. अंग्रेज़ी सैनिकों के लगातार वार के कारण रानी लक्ष्मीबाई घायल हो गईं और स्वर्ग सिधार गईं।
7. जब रानी लक्ष्मीबाई स्वर्ग को सिधारीं, तो उनकी उम्र तेईस वर्ष थी।

ख. 1. 1857 2. भवानी 3. दिल्ली 4. दोनों

ग. 1. कानपुर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी, उसकी यही सहेली थी।

2. **उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजियाली छाई,**
किंतु कालगति चुपके-चुपके, काली घटा घेर लाई,
तीर चलाने वाले कर में, उसे चूड़ियाँ कब भाईं!
रानी विधवा हुई हाय ! विधि को भी नहीं दया आई।

3. इनकी गाथा छोड़, चले हम झाँसी के मैदानों में,
जहाँ खड़ी है लक्ष्मीबाई, मर्द बनी मैदानों में,
लैफ़्टिनेंट वॉकर आ पहुँचा, आगे बढ़ा जवानों में,
रानी ने तलवार खींच ली, हुआ द्वंद्व असमानों में।

घ. स्वयं करें।

भाषा ज्ञान

क.
1. मर्दानी – आनी
2. गाथाएँ – एँ
3. जवानी – ई
4. पुरानी – ई
5. सिंहनी – नी
6. स्वतंत्रता – ता
7. ज़ुबानी – ई
8. बहुतेरे – एरे

ख.
1. वीरता – कायरता
2. युद्ध – शांति
3. हार – जीत
4. मनुज – पशु
5. सौभाग्य – दुर्भाग्य
6. स्वर्ग – नर्क
7. विधवा – विदुर
8. जवानी – बुढ़ापा

ग.

1.	राजा – जनक	सम्राट		राजन
2.	दुर्गा – अंबे	सती		साध्वी
3.	कहानी – कथा	वृत्तान्त		वर्णन
4.	वैभव – ऐश्वर्य	सम्पन्नता		संपदा
5.	आज़ादी – स्वतंत्रता	स्वाधीनता		निरंकुशता

घ.
1. दुस्तर – दुः + तर
2. निःसंतान – निः + संतान
3. विषम – विः + षम
4. निष्प्राण – निः + प्राण
5. दुस्साहस – दुः + साहस

रचनात्मक ज्ञान

क. रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1835 को काशी में हुआ था। इनके पिता का नाम मोरोपंत तांबे था। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम मणिकर्णिका था, परंतु प्यार से उन्हें 'मनु' कहा जाता था। रानी लक्ष्मीबाई का विवाह 1842 में गंगाधर राव से हुआ था। गंगाधर राव झाँसी के राजा थे। 1851 में उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, किंतु चार माह बाद उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव इस सदमें को बर्दाश्त न कर सके और लंबी अस्वस्थता के बाद 21 नवंबर 1853 को उनका निधन हो गया।

झाँसी 1857 के विद्रोह का एक प्रमुख केंद्र बन गया था। रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया और एक स्वयं सेवक सेना का गठन प्रारंभ किया। इस सेना में महिलाओं की भर्ती भी की गई। और उन्हें युद्ध प्रशिक्षण भी दिया गया। साधारण जनता ने भी इस विद्रोह में सहयोग दिया। 1857 में पड़ोसी राज्य ओरछा तथा दतिया के राजाओं ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने सफ़लतापूर्वक इसे विफ़ल कर दिया। 1858 के मार्च माह में ब्रिटेन की सेना ने शहर पर कब्ज़ा कर लिया, परंतु रानी अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव के साथ अंग्रेज़ो से बच भागने में सफ़ल हो गई। रानी झाँसी से भागकर कालपी पहुँची और तात्या टोपे से मिली। 18 जून, 1858 को रानी लक्ष्मीबाई ने वीरगति प्राप्त की।

अंग्रेज़ों के विरुद्ध रणयज्ञ में अपने प्राणों की आहुति देने वाले योद्धाओं में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का नाम सर्वोपरि माना जाता है। 1857 में उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का सूत्रपात किया था। अपने शौर्य से उन्होनें अंग्रेज़ों के दाँत खट्टे कर दिए थे। रानी लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में आदर्श वीरांगना थीं। उन्होंने न केवल भारत की, बल्कि विश्व की महिलाओं को गौरवान्वित किया। उनका जीवन स्वयं में वीरोचित गुणों से भरपूर, अमर देशभक्ति और बलिदान की एक अनुपम गाथा है।

ख. स्वयं करें।

यक्ष-प्रश्न

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. ब्राह्मण ने अपने रोने का कारण बताया, कि झोंपड़ी के बाहर अरणी की लकड़ी टँगी हुई थी। एक हिरन आया और वह इस लकड़ी से अपना शरीर खुजलाने लगा और चल पड़ा। अरणी की लकड़ी उसके सींग में ही अटक गई। इससे हिरन घबरा उठा और बड़ी तेज़ी से भाग खड़ा हुआ। अब वह होम की अग्नि कैसे पैदा करेगा।
2. हिरन के पीछे ब्राह्मण की अरणी की लकड़ी लेने के लिए पाँचों पांडव दौड़े।
3. तीसरी बार सरोवर का पानी पीने अर्जुन गया और वह भी अपने दोनों भाइयों की भाँति चक्कर खा कर गिर पड़ा।
4. मनुष्य का साथ धैर्य देता है।
5. अहं भाव से उत्पन्न गर्व को त्यागकर मनुष्य प्रिय बन जाता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. अरणी की लकड़ी सींग में अटक जाने पर हिरन घबरा कर भाग गया।
2. पांडव इस बात पर लज्जित थे, कि वे ब्राह्मण का छोटा सा काम न कर सके।
3. सबसे पहले पानी की तलाश में नकुल गया।
4. चौथी बार पानी की तलाश में भीम गया। वह भी अपने भाइयों की तरह पानी पीकर बेहोश हो गया।
5. युधिष्ठिर को सरोवर पर दिखाई दिया, कि उसके चारों भाई तट के पास बेहोश पड़े हुए हैं।
6. मन हवा से भी तेज़ चलता है।
7. क्रोध के खो जाने पर दु:ख नहीं होता।
8. यक्ष ने युधिष्ठिर को पक्षपात रहित कहा, क्योंकि युधिष्ठिर चाहता था कि यक्ष नकुल को जीवित कर दे, क्योंकि वह माद्री का पुत्र है और युधिष्ठिर के अनुसार दोनों माताओं के पुत्रों को जीवित रहना चाहिए।

ख. 1. युधिष्ठिर 2. अरणी की 3. दोनों 4. युधिष्ठिर

ग. 1. बारह 2. अटक 3. नकुल 4. अर्जुन
5. सरोवर 6. माद्री

भाषा ज्ञान

क. 1. धर्म मनुष्य की रक्षा करता है।
2. सहदेव के न लौटने पर अर्जुन उस सरोवर के पास गया।
3. हिरन तेज़ी से भाग खड़ा हुआ।
4. पानी पीकर वह चक्कर खाकर गिर पड़ा।
5. हिरन लकड़ी से अपना शरीर खुजलाने लगा और चल पड़ा।
6. उनके सामने एक रोता हुआ ब्राह्मण आ खड़ा हुआ।

ख. 1. निर्जन – निः + जन 2. सर्वोत्तम – सर्व + उत्तम
3. संसार – सम् + सार 4. अत्याचार – अति + आचार
5. दुस्साहस – दुः + साहस 6. व्याकुल – वि + आकुल

ग. 1. पांडवों – पांडव 2. लकड़ी – लकड़ियाँ
3. सींग – सींग 4. प्रश्नों – प्रश्न
5. तालाब – तालाब 6. आवाज़ – आवाज़ें
7. भाइयों – भाई 8. चीज़ – चीज़ें
9. पुत्र – पुत्र 10. हाथियों – हाथी

घ. 1. शब्द-भेदी – युधिष्ठिर महान शब्द-भेदी थे।
2. आते-आते – दिल्ली से आते-आते मेरे लिए कुछ उपहार लेते आना।
3. रण-कुशलता – अर्जुन को रण-कुशलता में महारथ हासिल थी।
4. ठीक-ठीक – मैंने सभी प्रश्नों के उत्तर ठीक-ठीक दिए हैं।
5. धीरे-धीरे – इस पथ पर धीरे-धीरे चलो।
6. विचार-विमर्श – विचार-विमर्श करके मुझे अपना फ़ैसला बता देना।

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

18 मिसाइल मैन - अब्दुल कलाम

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. डॉ. अब्दुल कलाम का जन्म तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम कस्बे में हुआ था।
2. डॉ. अब्दुल कलाम को 'मिसाइल मैन' या 'अग्नि पुरुष' के नाम से पुकारा जाता है।
3. डॉ. कलाम को भगवत् गीता और कुरान प्रिय थी।
4. अंग्रेज़ी भाषा पर डॉ. कलाम का अच्छा अधिकार था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. डॉ. कलाम को 'पद्मभूषण', 'पद्मविभूषण' और 'भारत-रत्न' से अलंकृत किया गया।
2. डॉ. कलाम का स्वप्न था, कि देश में विज्ञान की शक्ति को विकसित करके, 2020 तक भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाया जाए।
3. 'अग्नि मिसाइल' के सफ़ल परीक्षण के बाद वह आर॰ सी॰ आई॰ हैदराबाद में दस लाख वृक्षों का सुंदर उपवन बनाना चाहते थे, जहाँ शांति हो तथा पक्षी, जीव-जंतु विचरण कर सकें।
4. डॉ. कलाम के जीवन से हमें यह संदेश मिलता है, कि मनुष्य का जीवन निरंतर प्रगतिशील है।
5. हम भारतीयों के लिए डॉ. कलाम प्रेरणास्त्रोत हैं, क्योंकि वे हमें बताते हैं कि कठिन से कठिन समय में हमें अपना हौसला नहीं खोना चाहिए।

ख. 1. 15 अक्टूबर, 1931 2. दोनों 3. शाकाहारी
4. 2020 5. बच्चों

ग. 1. जेन्युलअबदीन 2. शाकाहारी, भगवद्गीता 3. अंग्रेज़ी
4. मिसाइलमैन, अग्निपुरुष 5. महान

भाषा ज्ञान

क. 1. (उसका) घर बहुत बड़ा है। 2. (वह) पाँचवीं मंज़िल पर रहता है।
3. (उसकी) माता जी अध्यापिका हैं। 4. (उसके) पिता जी डॉक्टर हैं।
5. (वह) (अपनी) कक्षा में हमेशा प्रथम आता है।
6. (हम) दोनों में गहरी मित्रता है। क्या (तुम) भी (हमारे) दोस्त बनोगे ?

ख. 1. महान है जो आत्मा – महात्मा 2. राष्ट्र की भाषा – राष्ट्रभाषा
3. राष्ट्र का पिता – राष्ट्रपिता 4. प्रधान है जो मंत्री – प्रधानमंत्री

ग. 1. **महान** तपस्वी 2. **अग्रणी** राष्ट्र 3. **सर्वोच्च** पद
4. **महान** वैज्ञानिक 5. **साधारण** इंसान 6. **राष्ट्रवादी** मुस्लिम
7. **साधारण** परिवार 8. **संतुष्ट** पुरुष

घ.

		प्रत्यय	**मूलशब्द**
1. पारदर्शी	–	दर्शी	पार
2. ईमानदारी	–	दारी	ईमान
3. आत्मानुशासन	–	अनुशासन	आत्मा

4. अच्छाई – ई अच्छा
5. दयालुता – ता दयालु
6. सम्मानीय – ईय सम्मान

ङ. 1. पारदर्शी – वह कपड़ा पारदर्शी है।
2. तकलीफ़ – मुझे तकलीफ़ हो रही है।
3. जीवंत – जीवंत काल तक मैं तुम्हारे साथ हूँ।
4. परीक्षण – मिसाइल परीक्षण में सभी ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।
5. संवेदनशील – वह बहुत ही संवेदनशील हैं।
6. कठिनाई – कठिनाई के समय हिम्मत से काम लेना चाहिए।

रचनात्मक ज्ञान

स्वयं करें।

19 कुंडलियाँ

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. दौलत पाकर सपने में भी अभिमान नहीं करना चाहिए।
2. कवि दिन समान जल को चंचल कह रहा है।
3. गिरिधर जी ने दौलत को हर जगह घूमते रहने की बात कही है।
4. कवि ने मीठे वचन बोलने के लिए कहा है।
5. गिरिधर जी ने जीते-जी संसार में यश प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. कवि ने दौलत को जल के समान बताया है, क्योंकि जिस प्रकार जल कहीं भी नहीं ठहरता, उसी प्रकार दौलत भी कहीं नहीं ठहरती।
2. कवि गिरिधर जी ने दौलत को मेहमान की तरह बताया है, क्योंकि जिस प्रकार मेहमान किसी के घर में अधिक दिनों तक नहीं रुकते हैं, उसी प्रकार दौलत भी किसी के घर में अधिक दिनों तक नहीं रुकती।
3. जो लोग बिना सोच-विचार के कोई कार्य करते हैं, वे लोग अपना काम बिगाड़ लेते हैं और लोग उन पर हँसते हैं।
4. कवि के अनुसार संसार में साधारण जीवन व्यतीत करना चाहिए।
5. जो लोग बिना सोच-विचार के कार्य करते हैं, वे लोग अपना काम बिगाड़ लेते हैं। ऐसा करने वालों की दशा बहुत बुरी होती है। उनका काम बिगड़ जाने के कारण अपने समाज में वे हँसी के पात्र हो जाते हैं।

ख. 1. संसार में 2. शांति 3. खाना-पीना
4. उसका दु:ख 5. मन में

ग. 1. इन पंक्तियों द्वारा कवि कहना चाहता है, कि जिनके पास दौलत होती है, उन्हें अपने ऊपर सपने में भी अभिमान नहीं करना चाहिए। जिस प्रकार जल चंचल होता है, वह इधर-उधर घूमता रहता है, उसी प्रकार धन भी किसी के पास अधिक दिनों तक नहीं ठहरता।

2. कवि का कहना है, कि बिना सोच-विचार के काम करने पर पूरे जग में हँसी उड़ती है, उनके चित में चैन नहीं होता, खाना-पीना अच्छा नहीं लगता, किसी भी तरह के मनोरंजन में भी मन नहीं लगता।

भाषा ज्ञान

क.

1.	अनुरक्त	–	विरक्त	2.	नीति	–	अनीति
3.	मीठे	–	कड़वे	4.	पीछे	–	आगे
5.	बिगाड़ना	–	सुधारना	6.	मेहमान	–	मेज़वान
7.	सम्मान	–	अपमान	8.	दु:ख	–	सुख
9.	चंचल	–	स्थिर	10.	यश	–	अपयश

ख.

1.	सनमान	=	सम्मान	2.	कछु	=	कुछ
3.	करै	=	करे	4.	पाछे	=	पीछे
5.	रहत	=	रहता	6.	जस	=	यश
7.	सबही	=	सबकी	8.	बिगारे	=	बिगाड़े
9.	चारि	=	चारों	10.	ठाउँ	=	ठहर

ग.

1.	सम्मान	आदर ✓	सामना करना	अनादर
2.	जग	धरती	अंतरिक्ष	संसार ✓
3.	जल	वारि ✓	वार	वारिज
4.	वचन	पक्का	वादा ✓	बोली
5.	अभिमान	ताकत	घमंड ✓	झगड़ा
6.	दौलत	धन ✓	ज़मीन	आमदनी

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।

ख. स्वयं करें।

ग. स्वयं करें।

20 मन चंगा तो कठौती में गंगा

अभ्यास

पाठ ज्ञान

क. मौखिक अभिव्यक्ति

1. संक्रांति के पर्व पर श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए जा रहे थे।
2. पंडितजी ने रविदास को बुलाकर अपने जूतों के बारे में पूछा।
3. रविदास ने गंगा स्नान के लिए न जाने का कारण बताया, कि उसे अपने बहुत-से ग्राहकों को जूते तैयार करके देने हैं।
4. पंडितजी गंगा द्वारा दिए गए कंगन को रविदास को न देकर पुरस्कार के लोभ में राजा को भेंट दे दिया था।
5. पंडितजी ने पुरस्कार के लोभ में कंगन राजा को दे दिया।
6. कोई भी स्वर्णकार ठीक वैसा कंगन नहीं बना सका, क्योंकि वह कंगन बहुत ही विलक्षण था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. काशी नगरी के पूर्व में छोटा-सा गाँव था, जहाँ बहुत ग़रीबी थी।
2. पंडितजी रविदास से अपने जूते लेने के लिए झोंपड़ी के सामने रुके।
3. पंडितजी के बार-बार क्षमा माँगने पर रविदास ने उनकी मदद करने का वचन दिया।
4. पंडितजी ने दूसरा कंगन प्राप्त करने के लिए रविदास को सलाह दी, कि वह एक कठौती में गंगा मैया से कंगन के लिए प्रार्थना करें।
5. इसका कारण रविदास से किया गया छल था। पंडितजी ने रविदास का कंगन पुरस्कार के लालच में राजा को दे दिया था। राजा ने कंगन का दूसरा जोड़ा माँगा और यदि पंडित उसे दूसरा कंगन नहीं देता, तो राजा उसे एक कठोर दंड देता।
6. रविदास ने कठौती में ही गंगा मैया से दूसरा कंगन प्राप्त कर पंडितजी का संकट दूर किया।
7. दूसरा कंगन मिलने पर पंडितजी बहुत खुश हुए। उनके चेहरे पर खुशी की चमक दिख रही थी।
8. कठौती से कंगन निकलने पर रविदास की झोपड़ी के सामने बहुत भीड़ एकत्रित हो गई और सभी लोग रामदास की जय-जयकार करने लगे।

ख. 1. चमड़ा छीलने की राँपी 2. कुछ नहीं 3. कंगन
4. चमड़ा भिगौने की कठौती 5. चार कौड़ियाँ

ग. 1. पंडितजी ने रविदास से 2. रविदास ने पंडितजी से
3. रविदास ने पंडितजी से 4. रविदास ने पंडितजी से
5. पंडितजी ने रविदास से 6. रविदास ने पंडितजी से
7. साधुओं ने पंडितजी से

भाषा ज्ञान

क. 1. पंडितजी बड़े उतावले हो रहे थे।
2. वृद्ध पंडितजी भीड़ से बाहर आए।
3. नरेश का भाई दिनेश सातवीं कक्षा में पढ़ता है।
4. सभी रविदास की जय-जयकार कर रहे थे।

ख. 1. रविदास 2. पंडितजी 3. माताजी
4. रवि 5. गंगा मैया

ग. 1. गए 2. हो 3. उन्हें 4. है

रचनात्मक ज्ञान

क. स्वयं करें।
ख. स्वयं करें।
ग. स्वयं करें।
घ. स्वयं करें।

प्रश्न पत्र-1

पढ़िए

क. 1. i) चुनौती ii) मुकाबले के लिए तैयार होना iii) आजीवन
iv) शक्ति v) क्षणिक vi) महान है पुरुष जो

2. स्वयं करें।
3. जो मनुष्य अपने जीवन में आई चुनौतियों का सामना करने में सफ़ल हो जाते हैं, उन्हें महापुरुष कहते हैं।

व्याकरण

ख. 1. दौड़ रहा है 2. लगा रही है 3. खा रही है
4. चल रही है 5. बना रहे हैं

ग. 1. दीप – दीपक दीया 2. धूप – सूरज सूर्य
3. पत्र – खत संदेश 4. स्वामी – भगवान मालिक
5. ब्याह – शादी विवाह

घ.

	शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द		शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	अतिथि	अ	तिथि	2.	सौभाग्य	सौ	भाग्य
3.	असमय	अ	समय	4.	विखंडित	वि	खंडित
5.	अविश्वास	अ	विश्वास				

ङ. 1. दहीबड़ा – दही का बड़ा 2. शोकाकुल – शोक से आकुल
3. जलधारा – जल की धारा 4. मालगाड़ी – माल के लिए गाड़ी
5. रोगमुक्त – रोग से मुक्त

लेखन

च. 51/50 वायुविहार
मुरादाबाद

20–जून–20.....

प्रिय मित्र दीपक

नमस्ते,

तुम्हारे पिता को फ़ोन किया, उन्हीं से ज्ञात हुआ कि तुम बोर्ड परीक्षा में मुरादाबाद जिले में प्रथम आये हो। इस समाचार को सुनकर मन खुशी से भर गया। मुझे तो पहले से ही विश्वास था कि तुम प्रथम श्रेणी में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होगे, लेकिन यह जानकर कि तुमने परीक्षा में प्रथम श्रेणी के साथ–साथ जिले में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है, मेरी प्रसन्नता की सीमा न रही। इस परीक्षा के लिए तुम्हारे परिश्रम और नियमितता ने ही वास्तव में तुम्हें ऊँचाई तक पहुँचाया है। मुझे पूरी आशा थी, कि तुम्हारा परिश्रम रंग दिखाएगा और मेरा अनुमान सच साबित हुआ। तुमने प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया, कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं।

मैं सदैव यह कामना करूँगा, कि तुम्हें जीवन में हर परीक्षा में प्रथम आने का सौभाग्य प्राप्त हो और तुम इसी प्रकार परिवार और विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहो। इस प्रकार मेहनत करते रहो और अधिक अंक प्राप्त करने में सफ़ल हो।

तुम्हारा पुत्र

आकाश

छ. स्वयं करें।

पाठों से

ज. 1. मदरसा 2. नौका 3. जय-जयकार
4. वेदव्यास 5. तपस्वी की तरह

झ.

	किसने	**किससे**		**किसने**	**किससे**
1.	शेखचिल्ली ने	अम्मी से	2.	अम्मी ने	शेखचिल्ली ने
3.	अम्मी ने	शेखचिल्ली ने	4.	हकीम ने	शेखचिल्ली ने
5.	शेखचिल्ली ने	पड़ोसियों से			

ञ. 1. शिष्टाचार द्वारा मनुष्य के अंदर मानव के गुणों का विकास होता है। शिष्टाचार मनुष्य को मानसिक तनाव से मुक्त रहने में सहायता करता है। हमें दैनिक-जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करने की हिम्मत देता है।

2. जो व्यक्ति प्रत्येक तरह की ईर्ष्या से रहित रहता है तथा अंहकार और क्रोध से विमुख व्यक्ति ही शिष्ट कहलाता है।

ट. 1. बड़ों का आदर न करना और दूसरों के साथ गलत व्यवहार करना अशिष्टता है।
2. वृक्ष की जड़ें धरती के अंदर होती हैं और पृथ्वी से शक्ति प्राप्त करके बढ़ती हैं।
3. कोणार्क का सूर्य मंदिर उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में है।
4. कवि युद्ध जीतकर ध्वज फहराएगा, इसलिए ध्वज माँग रहा है।
5. अपनी माँ की फोटो समाचार पत्रों में देखकर आयशा कहती थी, 'मम्मी मैं भी एक दिन आपके जैसी बनूँगी। देखना फिर मेरी फोटो भी पत्रिकाओं में छपेगी।'

प्रश्न पत्र-2

पढ़िए

क. 1. i) व्यायाम की ii) शिथिल iii) रोग है
iv) तत्सम v) संबंधबोधक vi) तुलना का

2. मनुष्य को जितनी ज़रूरत हवा, पानी और अन्न की होती है, उतनी व्यायाम की भी। हाँ! कसरत के बिना मनुष्य वर्षों तक जीवित तो रह सकता है, फिर भी यह सर्वमान्य तथ्य है, कि कसरत के बिना मनुष्य नीरोग नहीं रह सकता।

3. मूर्खता को भी एक प्रकार का रोग समझना चाहिए। कोई बड़ा पहलवान कुश्ती जीतने में तो बड़ा प्रवीण हो, किंतु मन उसका गँवारों का-सा हो, तो उसके लिए नीरोग शब्द का प्रयोग करना भूल है।

व्याकरण

ख.

1.	संसार	–	जग	विश्व
2.	अवधि	–	काल	समय
3.	फूल	–	पुष्प	कुसुम
4.	पक्षी	–	खग	चिड़िया
5.	प्रशंसा	–	तारीफ़	बड़ाई

ग.

1.	पयत्नपूवर्क	प्रयत्नपूर्वक	2.	गर्वनर	गवर्नर
3.	र्कतब्य	कर्त्तव्य	4.	भबीस्य	भविष्य
5.	मुल्यबान	मूल्यवान			

घ.

			विशेषण	विशेष्य
1.	नीले नयन	–	नीले	नयन
2.	बूढ़ी धरती	–	बूढ़ी	धरती
3.	नवजीवन	–	नव	जीवन
4.	काली पुतली	–	काली	पुतली
5.	हरी दूब	–	हरी	दूब

ङ.

1.	वर्ष में होने वाला	वार्षिक
2.	हित चाहने वाला	हितैषी
3.	प्रजा से स्नेह रखने वाला	प्रजाप्रिय
4.	वश में आया हुआ	अधीकृत
5.	सदैव रहने वाला	अमर

लेखन

च. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जनसाधारण में डॉ ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के रूप में जाने जाते है। वे भारतीय लोगों के दिलों में 'जनता के राष्ट्रपति' और 'भारत के मिसाइल मैन' के रूप में हमेशा जीवित रहेंगे। वास्तव में वे एक महान वैज्ञानिक थे, जिन्होंने बहुत सारे अविष्कार किये। वे भारत के एक पूर्व राष्ट्रपति थे जिनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 में हुआ (रामेश्वरम्, तमिलनाडू, भारत) और 27 जुलाई 1915 में निधन हुआ था (शिलांग, मेघालय, भारत)। कलाम के पिता का नाम जैनुल्लाब्दीन और माँ का नाम आशियम्मा था। कलाम का पूरा नाम अवुल पाकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम था। कलाम एक महान इंसान थे, जिन्हें भारत रत्न (1997), पद्म विभूषण (1990), पद्म भूषण (1981), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार (1997), रामानुजन अवार्ड (2000), किंग्स चार्ल्स द्वितीय मेडल (2007), इंटरनेशनल्स वोन विंग्स अवार्ड (2009), हूवर मेडल (2009) आदि से सम्मानित किया गया।

छ. सेवा में
श्रीमान प्रधानाध्यापक
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
ब्यावर

विषय : आवश्यक कार्य के कारण अवकाश हेतु

महोदय

सविनय निवेदन है, कि मेरे घर पर आज मुझे अति आवश्यक कार्य है, जिसके कारण मैं आज विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकता। आपसे अनुरोध है कि मुझे 1 दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

दीक्षांत शर्मा
कक्षा–7
रोल न–719

पाठों से

ज. 1. दोनों 2. बेईमान 3. नाई
4. 1857 5. युधिष्ठिर

झ. 1. बारह 2. अरणी 3. नकुल
4. अर्जुन 5. बेहोश

ञ. 1. इन पंक्तियों द्वारा कवि कहना चाहता है, कि जिनके पास दौलत होती है उन्हें अपने ऊपर सपने में भी अभिमान नहीं करना चाहिए। जिस प्रकार जल चंचल होता है, वह इधर-उधर घूमता रहता है, उसी प्रकार धन भी किसी के पास अधिक दिनों तक नहीं ठहरता।

2. कवि का कहना है, कि बिना सोच-विचार के काम करने पर पूरे जग में हँसी उड़ती है, बिना विचारे काम करने वालों के चित में चैन नहीं होता, खाना-पीना अच्छा नहीं लगता, किसी भी तरह के मनोरंजन में भी मन नहीं लगता।

ट. 1. कवि के अनुसार हमें सदैव सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए।

2. हम भारतीयों के लिए डॉ. कलाम प्रेरणास्रोत हैं, क्योंकि वे हमें बताते हैं कि कठिन से कठिन समय में भी हमें अपना हौसला नहीं खोना चाहिए।

3. यक्ष ने युधिष्ठिर को पक्षपात से रहित कहा क्योंकि युधिष्ठिर चाहते थे, कि नकुल को जीवित कर दे, क्योंकि वह माद्री का पुत्र है और युधिष्ठिर के अनुसार दोनों माताओं के पुत्रों को जीवित रहना चाहिए।

4. रानी लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा राव से हुआ था।

5. धोबी का कहना था कि तेल लेने के बाद उसने तेली को पैसे दिए, परंतु तेली का कहना था कि उसे पैसे नहीं मिले, इसी बात पर दोनों में झगड़ा शुरू हुआ था।